विद्या सर्वार्थ साधिका

आनंदालय

सामयिक परीक्षा - 1

कक्षा : दसवीं

विषय : हिंदी 'ब' (085) अधिकतम अंक : 40

दिनांक: 22-07-2024 समय : 1 घंटा 30 मिनट

सामान्य निर्देश :-

1. यह प्रश्न पत्र चार खण्डों में विभाजित है - 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'
2. प्रश्न पत्र में कुल आठ प्रश्न हैं |
3. प्रश्नोत्तर क्रमशः लिखे जाने चाहिए |
4. बहुविकल्पीय प्रश्नों की क्रम संख्या व चयनित उत्तर पूर्ण व स्पष्ट रूप से लिखना आवश्यक है |
5. लिखावट सुंदर और स्पष्ट होनी चाहिए |

खंड - 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश के नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1x7=7)

भ्रष्टाचार के बारे में हम कुछ कटु सत्य से बात शुरू करेंगे, तो विषय की गंभीरता स्पष्ट हो जाएगी। हमारी दिलचस्पी अखबारी औपचारिकताओं में कदापि नहीं है। पहली बात हमें यह जान लेना चाहिए कि भ्रष्टाचार मूल बीमारी नहीं है। यह तो एक लक्षण मात्र है। जैसे किसी व्यक्ति को बुखार हो और हम कहें कि 'बुखार' की बीमारी है, तो यह गलत होगा। बुखार तो एक लक्षण है, जो किसी बीमारी को इंगित करता है। यह मलेरिया, टाइफाइड या अन्य बीमारी के कारण हो सकता है। आप बुखार की गोली से केवल लक्षण का इलाज कर मरीज को राहत दे सकते हैं बीमारी खत्म नहीं होगी। बल्कि आप यह भी समझ लीजिए कि बुखार को उतारने के प्रयास में आप बीमारी को गंभीर भी बना सकते हैं। मलेरिया का इलाज क्विनेन है, टाइफाइड का इलाज एंटीबायोटिक है और ये बीमारियाँ तभी जड़ में खत्म होंगी जब आप यह दवाइयाँ देंगे। लेकिन भ्रष्टाचार पर इतनी चर्चा हो रही है और मूल बात पर हम नहीं जा रहे या जाना नहीं चाहते, क्योंकि तब हम सभी लपेटे में आते हैं। मूल समस्या सामाजिक मूल्यों की है। भारत में धन और पद का मूल्य इस कदर बढ़ गया है कि प्रत्येक व्यक्ति इन मूल्यों पर खरा उतरना चाहता है। धन ही नहीं, धन के दिखावे का भी मूल्य बढ़ गया है। आप जानते हैं कि मनुष्य सामाजिक प्राणी है और भारतीय व्यक्ति तो वैसे भी सामूहिकता में अधिक विश्वास करता है। एकांकी जीवन या सोच के हम आदी नहीं हैं। जो सब करें, वही हमें करना है, सही हो या गलत। इसी भीड़ की भावना को हम लोकतंत्र भी कह देते हैं और बुराई को छुपा लेते हैं। यही हाल पैसे का है। किसी भी तरह आए, पैसे को हमने मान दे रखा है। उस पैसे के दिखावे के रूप में हमने मकान, सोना, गाड़ी, विवाह व अन्य समारोह में खर्च आदि को मान्यता दे रखी है।

(i) व्यक्ति किन सामाजिक मूल्यों पर खरा उतरना चाहता है -

(क) सादा जीवन (ख) धन और पद (ग) आध्यात्मिकता (घ) परोपकार

(ii) मलेरिया बीमारी का लक्षण है -

(क) सिरदर्द (ख) बुखार (ग) चक्कर आना (घ) दृष्टि दोष

(iii) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

(क) भ्रष्टाचार के गुण (ख) सामाजिक मूल्य (ग) भ्रष्टाचार की बीमारी (घ) भ्रष्टाचार के कारण

(iv) भ्रष्टाचार मुख्य समस्या क्यों नहीं है ?

(v) भ्रष्टाचार के नष्ट न होने और लगातार बढ़ते जाने का क्या कारण है ?

खंड - 'ख'

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशनुसार दीजिए - (1x7=7)

(i) बादल गरज रहे थे और फिर तेज वर्षा होने लगी। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ii) ज्योंहि पुलिस आई त्योंहि चोर भाग गए। (वाक्य पहचानकर भेद लिखिए)

(iii) 'कुल-परंपरा' (उचित समास विग्रह कर समास का भेद लिखिए)

(iv) 'दिन ही दिन में' (उचित समस्त पद और समास का भेद लिखिए)

(v) हमें <u>भला-बुरा</u> पहचानना आना चाहिए | (रेखांकित समास का भेद लिखिए)

(vi) आड़े हाथों लेना (मुहावरे से वाक्य बनाएँ कि अर्थ स्पष्ट हो जाए)

(vii) सेना की एक गोली ने ही आतंकवादियों का__कर दिया। (खाली स्थान में उचित मुहावरा लिखिए)

खंड - 'ग'

3. गद्यांश के नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1x4=4)

सालाना इम्तिहान हुआ। भाई साहब फेल हो गए, मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया। मेरे और उनके बीच में केवल दो साल का अंतर रह गया। जी में आया, भाई साहब को आड़े हाथों लूँ- 'आपकी वह घोर तपस्या कहाँ गई? मुझे देखिए, मजे से खेलता भी रहा और दरजे में अव्वल भी हूँ।' लेकिन वह इतने दुखी और उदास थे कि मुझे उनसे दिली हमदर्दी हुई और उनके घाव पर नमक छिड़कने का विचार ही लज्जास्पद जान पड़ा। हाँ, अब मुझे अपने ऊपर कुछ अभिमान हुआ और आत्मसम्मान भी बढ़ा। भाई साहब का वह रौब मुझ पर न रहा। आजादी से खेलकूद में शरीक होने लगा। दिल मज़बूत था। अगर उन्होंने फिर मेरी फ़ज़ीहत की, तो साफ कह दूँगा- 'आपने अपना खून जलाकर कौन-सा तीर मार लिया। मैं तो खेलते-कूदते दरजे में अव्वल आ गया।' जबान से यह हेकड़ी जताने का साहस न होने पर भी मेरे रंग-ढंग से साफ जाहिर होता था कि भाई साहब का वह आतंक मुझ पर नहीं था। भाई साहब ने इसे भाँप लिया- उनकी सहज बुद्धि बड़ी तीव्र थी और एक दिन जब मैं भोर का सारा समय गुल्ली-डंडे की भेंट करके ठीक भोजन के समय लौटा, तो भाई साहब ने मानो तलवार खींच ली और मुझ पर टूट पड़े-देखता हूँ, इस साल पास हो गए और दरजे में अव्वल आ गए, तो तुम्हें दिमाग हो गया है, मगर भाईजान, घमंड तो बड़े-बड़े का नहीं रहा, तुम्हारी क्या हस्ती है ? इतिहास में रावण का हाल तो पढ़ा ही होगा। उसके चरित्र से तुमने कौन-सा उपदेश लिया ? या यों ही पढ़ गए ?

(i) सालाना इम्तिहान का परिणाम रहा-

(क) भाई साहब फेल हो गए (ख) लेखक पास हो गए

(ग) उपर्युक्त दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं

(ii) लेखक को क्या लज्जास्पद जान पड़ा ?

(क) बड़े भाई का मज़ाक उड़ाना (ख) बड़े भाई को और दुखी करना

(ग) बड़े भाई की बात न मानना (घ) बड़े भाई को आड़े हाथों लेना

(iii) गद्यांश में आत्म सम्मान बढ़ने की बात की है-

(क) लेखक का (ख) रावण का

(ग) भाई साहब का (घ) उपर्युक्त सभी

(iv) बड़े भाई ने लेखक को फटकारते हुए किसका उदाहरण दिया ?

(i) अपना उदाहरण (ii) सफलता का उदाहरण

(iii) रावण का उदाहरण (iv) गरीब विद्यार्थी का उदाहरण

(क) (i) और (ii) (ग) केवल (iii)

(ख) (ii), (iii), (iv) (घ) (i), (ii) (iv)

4. पद्यांश के नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1x3=3)

सुखिया सब संसार है, खायै अरू सोवै।
दुखिया दास कबीर है, जागै अरू रोवै ॥

(i) 'खायै अरू सोवै' - से कवि का क्या तात्पर्य है?
(क) लोग खाने से पहले सोते हैं।
(ख) लोग खाना खाकर तुरंत सो जाते हैं।
(ग) लोग अच्छा खाना खाकर अच्छी नींद सोते हैं।
(घ) सांसारिक भोगों में लिप्त लोगों को दूसरों की चिंता नहीं है।

(ii) प्रस्तुत साखी के आधार पर कैसे लोग दुखी हैं ?
(क) जिनके पास खाना नहीं है।
(ख) जिनको नींद नहीं आती है।
(ग) जिनको समाज के कल्याण की चिंता है।
(घ) जिनको समाज की चिंता नहीं है।

(iii) उपर्युक्त काव्यांश से संबंधित कौन-सा कथन असत्य है ?
(क) कबीर जैसे चिंतक केवल अपनी चिंता करते हैं।
(ख) सांसारिक भोगों में लगे लोग सूखपूर्वक खाते और सोते हैं।
(ग) महान लोग समाज-कल्याण की चिंता करते हैं।
(घ) कबीर जैसे चिंतक ईश्वर के वियोग में व्याकुल रहते हैं।

5. निम्नलिखित चार में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए - (3x2=6)

(i) 'डायरी का एक पन्ना' के माध्यम से आपने गुलाम भारत के स्वतंत्रता दिवस के आयोजन के विषय में जाना। आज हम आज़ाद भारत में आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। देश के प्रति अपने कर्तव्यों को बताते हुए पाठ से प्राप्त सीख का वर्णन कीजिए ।

(ii) बहुत-से लोग घायल हुए, बहुतों को लॉकअप में रखा गया, बहुत-सी स्त्रियाँ जेल गईं, फिर भी इस दिन को अपूर्व बताया गया है। आपके विचार में यह सब अपूर्व क्यों है? अपने शब्दों में लिखिए।

(iii) 'बड़े भाई साहब' कहानी का नायक पतंग टूर्नामेंट की तैयारियाँ गुप्त रूप से करता था, क्यों ? उसके द्वारा ऐसा किया जाना क्या आपको उचित लगता है ? पक्ष अथवा विपक्ष में तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए ।

(iv) कबीर निंदक को अपने निकट रखने का परामर्श क्यों देते हैं ?

6. निम्नलिखित दो में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए - (1x3=3)

(i) लोगों के बीच बहस छिड़ जाती है। उत्तराधिकारी के कानून पर जो जितना जानता है, उससे दस गुना अधिक उगल देता है। फिर भी कोई समाधान नहीं निकलता। रहस्य खत्म नहीं होता, आशंकाएँ बनी ही रहती हैं। लेकिन लोग आशंकाओं को नज़रअंदाज कर अपनी पक्षधरता शुरू कर देते हैं।
हरिहर काका सभी के लिए चर्चा का केंद्र बने हुए थे। हरिहर काका के मामले में गाँव वालों की राय तर्कसहित स्पष्ट कीजिए।

(ii) "उनकी इस स्थिति ने मुझे चिंतित कर दिया है। जैसे कोई नाव बीच मझधार में फँसी हो और उस पर सवार लोग चिल्ला कर भी अपनी रक्षा न कर सकते हों क्योंकि उनकी चिल्लाहट दूर तक फैले सागर के बीच उठती गिरती लहरों में विलीन हो जाने की अतिरिक्त कर ही क्या सकती है। "हरिहर काका' पाठ से उद्धृत लेखक के इस कथन की संदर्भ सहित विवेचना कीजिए।

खंड - 'घ'

7. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 100 शब्दों में अनुच्छेद लेखन कीजिए | (1x5=5)

(क) प्रदूषण: एक विश्वव्यापी समस्या

संकेत बिंदु-

- आधुनिक विश्व की भयंकर समस्या
- प्रदूषण के प्रकार एवं कारण
- बढ़ती जनसंख्या एवं अन्य तत्व
- उपसंहार

(ख) मर्यादित जीवन का आधार: सादा जीवन उच्च विचार

संकेत बिंदु-

- भारतीय संस्कृति और सादा जीवन
- महापुरुषों का जीवन
- वर्तमान स्थिति
- निष्कर्ष

(ग) वर्षा की पहली फुहार

संकेत बिंदु-

- तन-मन की प्रसन्नता
- प्राकृतिक सौंदर्य
- वर्षा ऋतु का महत्त्व
- उपसंहार

8. अपने क्षेत्र में बिजली की अनियमितताओं की शिकायत करते हुए क्षेत्रीय विद्युत् अधिकारी को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए । (1x5=5)

अथवा

प्लास्टिक की चीज़ों से हो रही हानि के बारे में बताते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए ।